परिशिष्ट सारणी 1 : राज्य सरकारों के प्रमुख घाटा संकेतक

(करोड़ रुपए)

वर्ष	सकल राजकोषीय घाटा	निवल राजकोषीय घाटा	राजस्व घाटा	परंपरागत घाटा	प्राथमिक घाटा	भा.रि.बैंक से राज्यों को निवल ऋण
1	2	3	4	5	6	7
1990-91	18,787 (3.3)	14,532 (2.6)	5,309 (0.9)	-72 (0.0)	10,132 (1.8)	420 (0.1)
1991-92	18,900 (2.9)	15,746 (2.4)	5,651 (0.9)	156 (0.0)	7,956 (1.2)	-340 (-0.1)
1992-93	20,891 (2.8)	15,769 (2.1)	5,114 (0.7)	-1,829 (-0.2)	7,681 (1.0)	176 (0.0)
1993-94	20,596 (2.4)	16,263 (1.9)	3,813 (0.4)	462 (0.1)	4,795 (0.6)	591 (0.1)
1994-95	27,697 (2.7)	23,507 (2.3)	6,156 (0.6)	-4,468 (-0.4)	8,284 (0.8)	48 (0.0)
1995-96	31,426 (2.6)	26,695 (2.2)	8,201 (0.7)	-2,849 (-0.2)	9,494 (0.8)	16 (0.0)
1996-97	37,251 (2.7)	33,460 (2.4)	16,114 (1.2)	7,041 (0.5)	11,675 (0.9)	898 (0.1)
1997-98	44,200 (2.9)	39,135 (2.6)	16,333 (1.1)	-2,103 (-0.1)	14,087 (0.9)	1,543 (0.1)
1998-99	74,254 (4.2)	66,209 (3.8)	43,642 (2.5)	3,520 (0.2)	38,381 (2.2)	5,579 (0.3)
1999-00	91,480 (4.7)	79,309 (4.0)	53,797 (2.7)	3,113 (0.2)	46,309 (2.4)	1,312 (0.1)
2000-01	89,532 (4.2)	84,698 (4.0)	53,569 (2.5)	-2,346 (-0.1)	37,830 (1.8)	-1092 (-0.1)
2001-02	95,994 (4.2)	91,457 (4.0)	59,188 (2.6)	3,426 (0.2)	33,488 (1.5)	3,451 (0.2)
2002-03	1,02,123 (4.2)	91,680 (3.7)	55,111 (2.2)	-4,611 (-0.2)	31,981 (1.3)	-3100 (-0.1)
2003-04	1,23,070 (4.5)	1,13,571 (4.1)	61,145 (2.2)	1,074 (0.0)	41,306 (1.5)	293 (0.0)
2004-05	1,09,257 (3.5)	97,981 (3.1)	36,423 (1.2)	-10,459 (-0.3)	21,268 (0.7)	-2,705 (-0.1)
2005-06 (ब.अ.)	1,10,550 (3.2)	1,01,961 (2.9)	24,913 (0.7)	-1,201 (0.0)	17,252 (0.5)	–
2005-06 (सं.अ.)	1,13,888 (3.2)	1,02,528 (2.9)	17,178 (0.5)	-5,625 (-0.2)	24,894 (0.7)	-2,306 (-0.1)
2006-07 (ब.अ.)	1,09,610 (2.8)	1,00,017 (2.5)	4,511 (0.1)	-3,986 (-0.1)	10,185 (0.3)	–

सं.अ. : संशोधित अनुमान ब.अ. : बजट अनुमान (-) घाटा संकेतक के लिए अधिशेष दर्शाता है। '-' उपलब्ध नहीं ।

टिप्पणियाँ : 1. परंपरागत घाटे के रूप में समग्र अधिशेष या घाटा कुल संवितरण और कुल प्राप्तियों के बीच अंतर दर्शाते हैं। कुल प्राप्तियों में (i) राजस्व प्राप्तियां (ii) अर्थोपाय अग्रिम और भा.रि.बैंक से ओवरड्राफ्ट को छोड़कर पूंजीगत प्राप्तियाँ तथा (iii) लोक लेखा के अंतर्गत नकद शेष निवेश खाता एवं नकद शेष में आहरण को छोड़कर निवल प्राप्तियाँ शामिल हैं। कुल संवितरण में (i) राजस्व व्यय और (ii) अर्थोपाय अग्रिम की चुकौती भा.रि.बैंक से ओवरड्राफ्ट के अलावा पूंजीगत संवितरण शामिल है, साथ ही, इसमें नकद शेष निवेश खाता और नकद शेष को भी शामिल नहीं किया गया है ।

2. राजस्व घाटे से तात्पर्य है : राजस्व प्राप्तियों और राजस्व व्यय के बीच का अंतर।

3. कुल राजकोषीय घाटे से तात्पर्य है : ऋण चुकौती और कर्ज वसूली को घटाकर कुल संवितरण तथा राजस्व प्राप्तियों और ऋणेतर पूंजीगत प्राप्तियों में अंतर।

4. निवल राजकोषीय घाटे से तात्पर्य है : सकल राजकोषीय घाटा और निवल उधार में अंतर।

5. प्राथमिक घाटे से तात्पर्य है : ब्याज भुगतान के बाद सकल राजकोषीय घाटा।

6. कोष्ठकों के आंकड़े चालू बाजार मूल्यों पर सकल राजकोषीय घाटा संबंधी प्रतिशत हैं।

7. बिहार से संबंध में 2005-06 (ब.अ.) के आंकडों में पिछले वर्ष में प्रकाशित आंकड़ों से अंतर है चूंकि, बिहार के 2005-06 (बअ) के आंकड़े बजट 2006-07 के आधार पर संशोधित किए हैं। बिहार के 2005-06 (बअ) के आंकड़े पिछले वर्ष में अध्ययन के लेखा अनुदान पर आधारित थे।

8. सभी आंकड़े पूर्णांकित हैं।

स्रोत : राज्य सरकारों के बजट दस्तावेज़ और भारतीय रिज़र्व बैंक अभिलेख।